Dr. Madan Paswan, History.
class :- B.A. Part-I (Sub) Paper
Topic :- मौर्य साम्राज्य के पतन का कारण :-

August 2020
Lecture No. 20
Date : 17.08.2020

मौर्य साम्राज्य, जो कई निजली जुड़ों से गुजरते हुए कलिंग विजय तक पहुँचा। जिसने अपने साम्राज्य का इतना विस्तार किया, ई० पू० 232 में अशोक का शासन खत्म होते ही विघटित होने लगा। मौर्य साम्राज्य की गिरावट और पतन के कई कारण सामने आए हैं।

(क) ब्राह्मणों की प्रतिक्रिया :

ब्राह्मणों की प्रतिक्रिया अशोक की नीति की परिणाम था। इसमें संदेह नहीं कि अशोक ने एक सहिष्णु नीति अपनाई और लोगों से कहा कि वे ब्राह्मणों का सम्मान करें, लेकिन उन्होंने इस आदेश को प्राकृत में जारी किया, संस्कृत में नहीं। उन्होंने पशु-पक्षियों की हत्या पर प्रतिबंध लगा दिया और महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले अनुष्ठानों की निन्दा की। अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के बलि-विरोध के अनुपालन ने ब्राह्मणों की आय को प्रभावित किया। ग्रामीण इलाकों को निलान्वित करने और वहाँ व्यवहारसमता और दण्डसमता लागू करने के लिए राजुकों को नियुक्त किया गया। इसका तात्पर्य था कि सभी वर्णों के लिए समान अपराध के लिए समान दण्ड। लेकिन ब्राह्मणों द्वारा संकलित धर्म-शास्त्रों में वर्ण के आधार पर इसमें काफी भेदभाव था। जाहिर है कि अशोक की नीति ने ब्राह्मणों को क्रोधित किया।

मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद कुछ अन्य साम्राज्य पर ब्राह्मणों ने शासन किया। शुंग और कण्व, जिन्होंने मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद मध्य प्रदेश और पूर्व की ओर शासन किया, ब्राह्मण थे। इसी तरह, सातवाहनों ने, जिन्होंने पश्चिमी दक्कन और आन्ध्र में साम्राज्यों की स्थापना की, ब्राह्मण होने का दावा करते थे। इन ब्राह्मण राजवंशों ने वैदिक यज्ञ को पुनः आरंभ किया जो अशोक द्वारा उपेक्षित कर दिया गया था।

(ख) वित्तीय संकट :

सेना और नौकरशाही पर भारी खर्च और भुगतान ने मौर्य साम्राज्य के लिए वित्तीय संकट पैदा किया। जहाँ तक हम जानते हैं, प्राचीन समय में मौर्य के पास सबसे बड़ी सेना और अधिकारियों का सबसे बड़ा संगठन था। लोगों पर विभिन्न करों के लागू करने के बावजूद, इस विशाल संरचना को बनाए रखना मुश्किल था। ऐसा लगता है कि अशोक ने बौद्ध भिक्षुओं को बहुत दान दिये, जिसका असर शाही खजाने पर पड़ा। अन्त में, इन खर्चों के निर्वहन के लिए, वे सोने की मूर्तियों को पिघलाने के लिए बाध्य हुए। Continue .....

—Dr. Madan Paswan, History, D.B. college, Jaynagar, Madhubani.